पहुँच के और तरीके -

स्थान डीएमआईसी जम्बूरी साइट पाली रेलवे स्टेशन से पाली जोधपुर रोड पर स्थित है जो मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर स्थित है। पाली जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर रोहट गांव को पार करके जम्बूरी साइट तक पहुंचा जा सकता है। पाली रेलवे स्टेशन और जम्बूरी साइट के बीच की दूरी 38 किमी है।

1. सभी राज्यों से जोधपुर पहुंचने के लिए सड़क, ट्रेन और हवाई परिवहन उपलब्ध है। जम्बूरी साइट का निकटतम हवाई अड्डा जोधपुर हवाई अड्डा है, जिसकी दूरी 39 किमी है।
2. सभी राज्यों से पाली पहुंचने के लिए सड़क और रेल परिवहन उपलब्ध है।
3. जम्बूरी साइट के लिए जोधपुर और पाली रेलवे स्टेशन पर बस, कार और ट्रक उपलब्ध रहेंगे. हालांकि भुगतान प्रतिभागियों द्वारा किया जाना है।
4. कृपया दिनांक, समय, वाहन संख्या और परिवहन की जानकारी 15 नवंबर 2022 तक ईमेल या डाक/फैक्स द्वारा भेजें, ताकि हम आपके आगमन के स्थान पर आपको परिवहन सुविधा उपलब्ध करवा सकें।

जम्बूरी थीम

"शांति के साथ प्रगति"

जम्बूरी में सहभागिता

राजस्थान राज्य के 13000 प्रतिभागियों सहित देश भर से 33,000 स्काउट्स और गाइड्स के जम्बूरी में शामिल होने की उम्मीद है। विदेशों से भी 2000 संभागियों की सहभागिता होना संभावित है।

जम्बूरी शुल्क

नि:शुल्क

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड ने जम्बूरी संभागियों से जम्बूरी शुल्क नहीं लेने का निर्णय लिया है।

पात्रता

कम से कम द्वितीय सोपान पूर्ण कर चुके 13 से 17 वर्ष आयु के बीच के स्काउट और गाइड, वयस्क लीडर के नेतृत्व में भाग लेंगे। टोली गठन 9+1 संख्या के आधार पर किया जाएगा।

कार्यक्रम

सभी कार्यक्रम उत्साह, उमंग और रोमांच के साथ कराये जाऐंगे। यह कई नई मनोरंजक गतिविधियों सहित युवाओं की आवश्यकता और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए स्काउट और गाइड आंदोलन के मूल सिद्धांतों पर आधारित है।

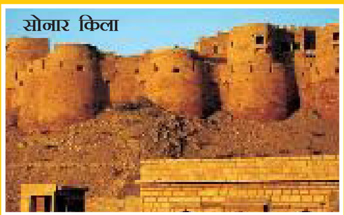

सोनार किला

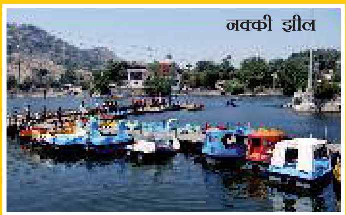

नक्की झील

जम्बूरी नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार स्काउट्स और गाइड्स के लिए भरपूर आनंद के साथ चुनौतीपूर्ण गतिविधियों से परिपूर्ण होगी: -

१. **व्यक्तिगत गतिविधियाँ**

फन एक्टिविटीज, एडवेंचर वैली, सर्विस ओरिएंटेड एक्टिविटीज (सीडी), ग्लोबल विलेज डेवलपमेंट, फूड प्लाज़ा (वर्ल्ड विलेज़) एक्टिविटीज, इंटीग्रेशन गेम्स, इंटेलेक्चुअल एक्टिविटीज।

२. **समूह गतिविधियां (विंग वार)**

स्टेट द्वार, शिविर कला, उप–शिविर वार कैम्प फायर, रंगोली (गाइड), पायनियरिंग प्रोजेक्ट (स्काउट)।

३. **समूह गतिविधियाँ (दोनों विंगों के लिए संयुक्त)**

मार्च पास्ट, कलर पार्टी, लोक नृत्य, शारीरिक प्रदर्शन, प्रदर्शनी, राज्य दिवस (प्रदर्शनी), पेजेंट शो, ग्लोबल डेवलपमेंट विलेज, बैंड प्रदर्शन।

रॉक क्लाइंबिंग, पैरासेलिंग और जल गतिविधियों के आयोजन का भी अवसर मिलेगा, जिसके लिए कार्य प्रगति पर है।

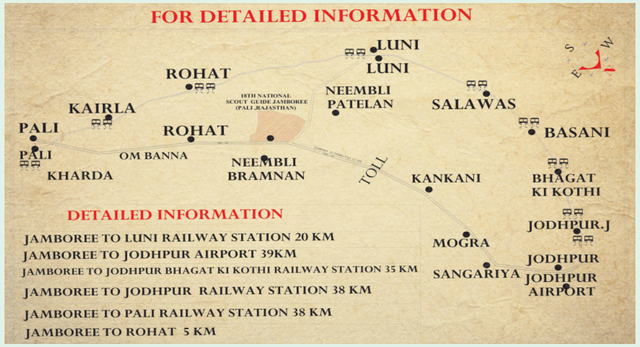

विस्तृत जानकारी के लिए

निदेशक	**जम्बूरी सचिव**
भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, लक्ष्मी मजूमदार भवन, 16, महात्मा गाँधी मार्ग, आई.पी.एस्टेट, पी.ओ. बॉक्स 7043 नई दिल्ली – 110002 फोन नं.: 011–23378702/23378667 ई-मेल – info@bsgindia.org वेबसाइट – www.bsgindia.org	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 फोन नं. 0141-2706830/2941098 ई-मेल -rajscoutguide@yahoo.com वेबसाइट - rajscoutguide.org

जम्बूरी के लिए ई-मेल आईडी
jamboreeoffice@bsgindia.org
Website
www.rajscoutguide.org

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी

भारत स्काउट व गाइड

04 से 10 जनवरी, 2023

प्रथम सूचना पुस्तिका

18 National Jamboree
Progress With Peace
4-10 JANUARY, 2023
ROHAT, PALI MARWAR, RAJASTHAN

भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान राज्य की ओर से

निमंत्रण

संरक्षक

श्री अशोक गहलोत
मुख्य मंत्री, राजस्थान

राष्ट्रीय जम्बूरी के लिए निमंत्रण

आपको यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री एवं भारत स्काउट व गाइड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक गहलोत ने राज्य के बजट वित्त वर्ष 2022–23 में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के राज्य में आयोजन हेतु रूपये 25 करोड़ देने की घोषणा की है। परिणामस्वरूप भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी 04 जनवरी से 10 जनवरी, 2023 तक राजस्थान के जोधपुर–पाली (राष्ट्रीय राजमार्ग) रोड़ पर स्थित रोहट–पाली (जिला) में आयोजित की जा रही है। आप इस जम्बूरी में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित हैं।

स्काउट-गाइड शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. के.के. खण्डेलवाल
मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त
भारत स्काउट व गाइड, एवं
जम्बूरी प्रमुख

निरंजन आर्य
राज्य मुख्य आयुक्त
भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान राज्य
एवं जम्बूरी महासचिव

सामान्य जानकारी एक नजर में

राजस्थान का सिंहावलोकन:-

राजस्थान देश के पश्चिम में स्थित है। राजस्थान की पाकिस्तान के साथ पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय सीमा 1,070 किमी है। यह पंजाब, हरियाणा, यूपी, एमपी और गुजरात राज्य की सीमा से लगा हुआ है। यह प्रदेश 3,42,239 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है। राजस्थान राज्य में वर्तमान में 2021 के आंकड़ों के अनुसार 8,07,82,495 लोगों का निवास है।

भौगोलिक दृष्टि से यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। यह बिना कहे नहीं रह सकते हैं कि राजस्थान भारतीय थार रेगिस्तान का पर्याय बन गया है, लेकिन यह शायद ही इसकी बहुमुखी स्थलाकृति की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह प्रदेश विविधता से परिपूर्ण है। इसमें न केवल थार रेगिस्तान (पश्चिम में) शामिल है, बल्कि इसमें अरावली जो दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाएं हैं, भी शामिल हैं, जो दिल्ली से पहले राज्य के उत्तर विस्तार में पूरे दक्षिण को कवर करती है।

राजस्थान की सुनहरी मिट्टी बीते युगों के इतिहास को प्रतिध्वनित करती है। मानव जाति की प्रारंभिक सभ्यताओं में से एक, सिंधु घाटी का आधार राजस्थान में था। अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध राजस्थान सुंदर व भव्य स्थलों और किलों का घर है।

यह राज्य एक धर्मनिरपेक्ष भूमि का गौरवपूर्ण प्रतिनिधि है। अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, रणकपुर और माउंट आबू के जैन मंदिर और पुष्कर में भारत का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर विश्व विख्यात हैं, और पवित्र तीर्थ यात्रा के लिए हर साल बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री यहां आते हैं।

यह दोहराने की आवश्यकता नहीं है कि राजस्थान के अभयारण्य वन्य–जीवन के लिए एक सुखद व प्राकृतिक परिवेश में आवास है। मेजेस्टिक भारतीय बाघ से लेकर सुंदर काले हिरण तक, ऊंट (जिसे रेगिस्तान के जहाज के रूप में जाना जाता है) और लुप्तप्राय महान भारतीय बस्टर्ड; जैसे ही आप वन और जीवों को जानने का प्रयास करेंगे, राजस्थान आपको प्रकृति के करीब लाता है।

रजवाड़ों के समय से ही इस भूमि में पारंपरिक आभूषणों की समृद्ध विरासत है। राजस्थान कुंदन, मीना, थेवा और चांदी के आभूषणों के लिए लोकप्रिय है। यह प्रतिभाशाली कारीगरों की भूमि के रूप में भी प्रसिद्ध है।

राजस्थान रंगों का प्रदेश है। रंगारंग नृत्य, मन को झकझोर देने वाला संगीत, मनमोहक अलंकार और उत्साही लोग, सभी राजस्थान के मेले और त्योहारों की आत्मा हैं।

यह भूमि पूरे वर्ष उत्सव मनाती है। योद्धाओं की इस भूमि की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है। प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य से लेकर लंगा और मांगणियार के मोहक लोक संगीत तक, राजस्थान वह जगह है जहाँ आप संस्कृति को अनुभव करते हैं।

पाली की एक संक्षिप्त झलक

पाली जिला स्थान

पाली राजस्थान के दक्षिण पश्चिम में स्थित है। यह उत्तर में नागौर जिले, उत्तर पूर्व में अजमेर जिले, पूर्व में राजसमंद जिले, दक्षिण–पूर्व में उदयपुर जिले, दक्षिण पश्चिम में सिरोही जिले, पश्चिम में जालौर और बाड़मेर जिले और उत्तर पश्चिम में जोधपुर जिले से घिरा हुआ है।

पाली जिला की जलवायु

यहाँ जनवरी के महीने में सर्दी का मौसम होता है। मौसम काफी ठंडा रहता है। पाली में रात का तापमान लगभग 7 से 10 डिग्री सेल्सियस और दिन के समय 10 से 25 डिग्री सेल्सियस होता है। कृपया पर्याप्त ऊनी कपड़े साथ लेकर आएं।

पाली जिले में परिवहन

पाली सड़क और रेलवे द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। अन्य प्रमुख शहरों के लिए नियमित सरकारी और निजी बसें उपलब्ध हैं। पाली रेलवे स्टेशन पाली को राजस्थान और शेष भारत के सभी प्रमुख शहरों से जोड़ता है। जोधपुर हवाई अड्डा पाली जिले का निकटतम हवाई अड्डा है।

पर्यटन स्थल -

पाली जिला	जोधपुर जिला
☐ रणकपुर मंदिर	☐ उम्मेद भवन पैलेस
☐ जवाई लेपर्ड सफारी	☐ जसवंत थड़ा
☐ निंबेश्वर महादेव	☐ महरानगढ़ संग्रहालय
☐ आशापुरा माता जी नाडोल	☐ महिया जैविक पार्क

जोधपुर मंडल के अन्य पर्यटन स्थल

जैसलमेर - सोनार किला, तनोट माता मंदिर

माउंट आबू - गुरु शिखर, नक्की झील, टेट पार्क, अचलगढ़

बाड़मेर - नकोड़ा जैन मंदिर, आसोत्रा मंदिर, जसोल माता मंदिर

जम्बूरी स्थल -

राष्ट्रीय जम्बूरी डीएमआईसी स्थल, ग्राम निम्बली ब्राह्मणन, ब्लॉक रोहट, जिला पाली में आयोजित हो रही है, जो जोधपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 38 किमी., पाली रेलवे स्टेशन से 38 कि.मी. और लूणी रेलवे स्टेशन से 20 कि.मी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर जोधपुर–पाली के बीच स्थित है।

कैसे पहुँचा जाये -

जम्बूरी स्थल डीएमआईसी स्थल, रोहट–पाली एनएच 62 पर जोधपुर–पाली रोड़ पर स्थित है। जोधपुर रेलवे स्टेशन और पाली रेलवे स्टेशन से जम्बूरी स्थल पहुँचने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध रहेगी।

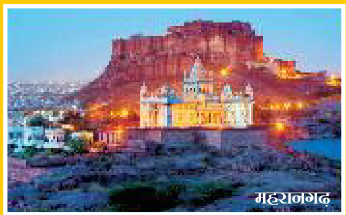
महरानगढ

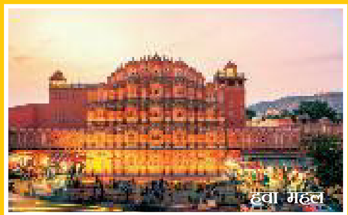
हवा महल

रणकपुर

उम्मेद भवन

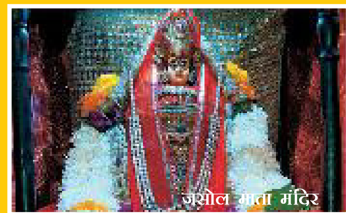
जसोल माता मंदिर